Presiding Officer 7/16

Date of order of occeeding

Signature of Parties of Pleaders where Necessary

अगियोग द्रणड्नीय 2 S S A A S ETTE 41614160 विराद्ध MINOS LA SITTERITO SITTERI प्राप्त करादी नयापके अध्यान अभियुक्त/अभियुक्तगण Order or Proceeding with Signature of गया। माना अपराध के सतिष में आम एअ/परिवाद पन प्रस्तुत किया स्तिध में 13

ए० डी०फिण्डो० द्वारा राज्य

अभियुक्त/ आभियुक्तगण. (अस्पाप) 510-2700-1148 प्रिशिट

क्रिक्ट हाउस स्टिन्स न के जार के अस्तित्ता मेमार्गराज्य / तकातानाम शाना भूकिन्य क्रिया जिला. उपस्थित । आभयुक्त रे अभियुक्तगण i>13....

गया के भीतर प्रस्तुत किया अभियोग पत्र/परिवाद पत्र समयावधि किया ।

प्रस्तुत

अभियुक्तगण के विरुद्ध धारा उपरोक्तानुसार। 45 द्ध्या अभियोग किये अवलोकन से प्रथम गया। अधीन कायवाही किया विचार はいい 16 आभियुक्त / अम्भियुक्तमण क्रिक्टिविन छ। भाठदेठसंठ / क्रिक्टिक्टिविन छ। अस्यार प्रकट हो रहे हैं। अन् अमिच्हिन १९०-(१) ५०५०रां० के अधीन निडाम हिं पत्र य प्रस्तुत द्रहावेज अभियुक्त / अभियुक्तगण प्रकरण मत्र/गिरिवाद

9/K 5009 # 19 Strain Lite पंजीयन प्रकरणः का

क्रिया जावे।

अस्ति निश्चिति दिलाहः अधीन प्रायहान्। 少 15.7 元 ... いたのどのジ ----/अभियुक्तार स इत्हाश में अतियोग पत्र पत अगियुक्ती,

Hills Hilling 11/1/2

बुक ्रीहि उपरात निहित स्वामी न्यायालय के Ship Payor राजसात ate-firstly lass, 他 साधारण व्यतिकम स्थित ग्रायालय थ निया अपराष्ट पावती 4 पावती निरस्त कर उसके मित्राति THE FINCE स्तपये प्रदान कर अधिरण्ड पंजीबद्ध 七記 निसकी वाहन अपीलीय सुपुर्दगीनामा मामित दिवस जनसुदा सपित.

जिस्ते जाये। रांपित.

व्ययनित की जाये। जनसुदा वाहन की दशा में वा को लौटाया जाये। सुवुदंगी की दशा में सुपुदंगीना जाता है तथा अपील की दशा में माननीय अपील आदेशों का पालन हो।

प्रकरण का परिणाम आपराधिक पंजी में पंर प्रकरण का परिणाम आपराधिक पंजी में पंर अभिलेख संचयन हेतु आवश्यक अभिलेखागार प्रेषित किया जाये। मुल्यहीन किया गया। अभियुक्त अभियुक्ता। अस्व सिक्षाप्त अभियुक्ताण गया। अभियुक्ता अभियुक्ता। अस्विश्वाद्ध्या विराह को पहकर सुनाय और समझाय जाने पर अभि करना स्वेच्छ्या स्वीकार किया। अतः अभिवाक् स्वाप्ता गया। की स्वेच्छ्या स्वीकार किया। वही स्वेच्छ्या। स्वाप्ता में स्वाप्ता में स्वेच्छ्या। स्वीकार किया। वही स्वेच्छ्या। स्वीकार किया। वही स्वेच्छ्या। स्वीकार किया। वहीं स्वेच्छ्या। स्वीकार किया। यहा निर्णता कर हो। स्वापित को ध्यान में स्वाप्ते हुए निर्णता कर हो। स्वापित को ध्यान में स्वापित कर हो। करान को अवाधि के दण्ड एवं उत्तर हो। अवसान तक की अवाधि के दण्ड एवं उत्तर हो। के अधिन तक की अवाधि के दण्ड एवं उत्तर हो। की दशा में अभियुक्त को अवाधि के दण्ड एवं उत्तर हो। की दशा में अभियुक्त को अवाधि के दण्ड एवं उत्तर हो। कारावास भुगताया जावे। Judicial Capital 7 अभियुक्त/अभियुक्तगण क नित्या अनुसार भ meter of proceeding with signature अभियुक्त / अभियुक्तगण को साजा भुगताई रसीद.रुपये 595 प्रकरण उपरोहता िंग्ण्यानुसार